दो दिन में पहुंचे 2.80 लाख लोग, इनमें आधे बड़े खरीदार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए यूपीआईटीएस का तीसरा संस्करण नए रिकार्ड गढ़ रहा है। महज दो दिन में 2.80 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। खास बात ये है कि इनमें से आधे से ज्यादा बड़े खरीदार हैं।

यूपीआईटीएस के पहले दिन 1.40 लाख से ज्यादा लोग आए और दूसरे दिन भी करीब इतनी ही संख्या उमड़ी। इसमें अहम ये है कि केवल दर्शक नहीं आ रहे बल्कि लाखों की संख्या में खरीदार पहुंच रहे हैं। इसे समझा जा सकता है कि दो दिनों में बिजनेस-टू-बिजनेस (बीटूबी) श्रेणी में 40 हजार से ज्यादा खरीदार पहुंचे। वहीं बिजनेस-टू-कस्टमर (बी-टू-सी) श्रेणी के 99 हजार से ज्यादा कारोबारी आए। पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन ये संख्या दोगुना से ज्यादा रही।

ये आंकड़े व्यापार जगत के पेशेवरों और आम जनता दोनों की महत्वपूर्ण रुचि को उजागर करते हैं। दूसरे दिन, यूपीआईटीएस 2025 ने पिछले दिन की तुलना में अपने पैमाने पहुंच का और विस्तार किया, जिससे यह उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े सोर्सिंग शो और व्यापार, परंपरा व परिवर्तन के वैश्विक मंच के रूप में मजबूत हुआ।

ट्रेड शो में लकड़ी के उत्पादों की खरीदारी करते लोग। संवाद

टॉय मार्केट में यूपी की धमक के लिए पॉलिसी जरूरी

ग्रेटर नोएडा। पूरी दुनिया में खिलौना उद्योग का सालाना टर्नओवर करीब सात लाख करोड़ रुपये का है। इसमें से केवल 4000 करोड़ रुपये के खिलौनों का निर्यात भारत से होता है। यूपी सरकार अगर आर्थिक और नीतिगत सहयोग करे तो निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी। ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में विशेष रूप से विकसित किए गए टॉय पार्क में भी उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। इसके लिए जरूरी है कि यूपी सरकार टॉय मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी बनाए। शुक्रवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि इंवेस्ट यूपी के एसीईओ शशांक चौधरी से मुलाकात कर उनसे टॉय पॉलिसी बनाने की मांग की गई है। इंवेस्ट यूपी के अधिकारियों को बताया गया है कि जब मध्यप्रदेश में खिलौने बनाने के लिए उद्यमियों को पॉलिसी बनाकर सुविधाएं दी जा रही हैं। ब्यूरो

प्रमुख विभागों द्वारा आयोजित कई विषय सत्रों की मेजबानी की गई। एमएसएमई विभाग के सत्र 'एमएसएमई@2047 – एक विकसित भारत का इंजन' में केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी और यूपी के एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग, रेशम उत्पादन, वस्त्र और हथकरघा मंत्री राकेश सचान के साथ वरिष्ठ अधिकारियों, अर्थशास्त्रियों और उद्योग जगत की हस्तियों ने भाग लिया।

जीतन राम मांझी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार यूपीआईटीएस के माध्यम से हर जिले में एमएसएमई को बढ़ावा दे रही है। हमारा प्रयास है कि ऐसी पहल देश के सभी राज्यों में बढ़े। एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए यूपीआईटीएस 2025 जैसे और अधिक आयोजनों का देशभर में आयोजन किया जाना चाहिए।

राकेश सचान ने कहा कि हम केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ेंगे। जहां भी जरूरत होगी, हम नीतियों में संशोधन करेंगे, सहायता बढ़ाएंगे और पूरा सहयोग देंगे। हमारे उद्यमियों की ताकत और योगदान के बिना भारत को 60 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का सपना हासिल नहीं किया जा सकता है।

रूस-भारत व्यापार संवाद पर एक केंद्रित बी2बी बैठक की अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार और सह-अध्यक्षता शशांक चौधरी ने की। संवाद में 85 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। तीस रूसी कंपनियों ने रणनीतिक साझेदारी बनाने और द्विपक्षीय सहयोग पर बात की। दूसरे दिन 187 बी2बी बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। लगभग 120 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 56 लाख डॉलर है।

यूपीआईटीएस का प्रयागराज, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, गौतम बुद्ध नगर, रामपुर और मथुरा सहित विभिन्न जिलों के 700 से अधिक छात्रों ने स्टालों का दौरा किया, जबकि एनसीआर क्षेत्र से लगभग 1,500 छात्रों ने प्रदर्शनी देखी।